सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: ऑनर्स /शोध	कक्षा : बी.ए	वर्ष: चतुर्थ	सत्र: 2024-25
विषय: हिन्दी साहित्य			

1	पाठ्यक्रम का कोड	**A4-HLIT1T**
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	आधुनिक हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ **(प्रश्न पत्र I)**
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/ डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव	कोर कोर्स/ I
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय का अध्ययन डिग्री में किया हो ।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	**इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे:** 1. **विद्यार्थी आधुनिक हिन्दी साहित्य की काव्य विधाओं एवं गद्य विधाओं से परिचित हो सकेंगे ।** 2. **आधुनिक हिन्दी साहित्य के अध्ययन से सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को समझ सकेंगे एवं विभिन्न समस्याओं से परिचित हो सकेंगे ।** 3. **विद्यार्थी रचनात्मक लेखन की दिशा में प्रवृत्त हो सकेंगे ।** 4. **लेखन एवं प्रकाशन के क्षेत्र में रोजगार की उपलब्धता होगी ।**
6	क्रेडिट मान	6
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70 / न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु
व्याख्यान की कुल संख्या-90-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में 3.6): L-T-P:

(1)

20.01.24
डॉ पुष्पा दुबे
अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
बी.ए. चतुर्थ वर्ष, हिन्दी साहित्य

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

इकाई	**विषय**	**व्याख्यान की संख्या**
1	**साहित्यिक अवधारणाएँ एवं स्वरूप** • साहित्य की पारंपरिक अवधारणा • साहित्य की आधुनिक अवधारणा • परंपरागत एवं अधुनातन अवधारणाओं में साम्य-वैषम्य तथा साहित्य का समसामयिक स्वरूप	**18**
2	आधुनिक साहित्य: विकास के विविध सोपान • प्रथम सोपान - उन्नीसवीं शताब्दी उत्तरार्ध • द्वितीय सोपान - बीसवीं शताब्दी पूर्वार्ध • तृतीय सोपान - बीसवीं शताब्दी उत्तरार्ध • चतुर्थ सोपान - इक्कीसवीं शताब्दी(प्रारम्भिक दो दशक)	**18**
3	आधुनिक साहित्य : प्रेरणा एवं पृष्ठभूमि • राजनीतिक परिप्रेक्ष्य • सामाजिक परिप्रेक्ष्य • आर्थिक परिप्रेक्ष्य • सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य	**18**
4	आधुनिक साहित्य : विधागत प्रवृत्तियाँ • काव्यगत प्रवृत्तियाँ • नाट्य साहित्य की प्रवृत्तियाँ • कथा-साहित्य की प्रवृत्तियाँ	**18**

20.01.2024
डॉ पुष्पा दुबे
अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्ययन मंडल
बी.ए. चतुर्थ वर्ष, हिन्दी साहित्य

	• कथेतर गद्य-विधाओं की प्रवृत्तियाँ	
5	आधुनिक साहित्य और युग जीवन • साहित्य का जीवन पर प्रभाव • जीवन का साहित्य पर प्रभाव • साहित्य और समाज की अद्यतन परिस्थियाँ • सामाजिक परिष्करण में साहित्य से अपेक्षाएँ	18

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: साहित्य , आधुनिकता ,युगजीवन

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

शुक्ल, आचार्य रामचंद्र-" हिन्दी साहित्य का इतिहास " कमल प्रकाशन नई दिल्ली

मिश्र, रामदरश "आज का हिन्दी साहित्य संवेदना और दृष्टि " राजकमल प्रकाशन दिल्ली 1967

डॉ नगेन्द्र "हिन्दी साहित्य का इतिहास नेशनल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली

तिवारी, रामचंद्र " हिन्दी गद्य का इतिहास" विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी

शर्मा, हरी मोहन "गद्य की विधाएँ पुनर्मूल्यांकन वाणी प्रकाशन नई दिल्ली

शर्मा, डॉ शिव कुमार "हिन्दी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ " अशोक प्रकाशन नई दिल्ली

सिंह, बच्चन " आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास " लोकभारती प्रकाशन संस्करण

सिंह, नामवर " आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ " राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली

चतुर्वेदी, रामस्वरूप "हिन्दी गद्य विन्यास और विकास " लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद

श्रीवास्तव, परमानंद " कविता का अर्थात " वाणी प्रकाशन नई दिल्ली

20.01.2024
डा पुष्पा दुबे
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
बी.ए. चतुर्थ वर्ष, हिन्दी साहित्य

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

शर्मा, डॉ रामविलास " भाषा युगबोध और कविता " वाणी प्रकाशन नई दिल्ली

सिंह, दिनकर रामधारी " आधुनिक बोध " हिन्दी बूक सेंटर प्रथम संस्करण 1963

मध्यप्रदेश हिन्दी गृन्थ अकादेमी से प्रकाशित पुस्तकें

2. **अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म /वेब लिंक**

https://ignited.in

https://hindisarang.com

https://uok.ac.in>digit

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: **सतत व्यापक मूल्यांकन** (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	**30**
आकलन : **विश्वविद्यालयीन परीक्षा**: समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब): लघु प्रश्न अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	**70**

कोई टिप्पणी/सुझाव:

20.01.2024